वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 116 | बुधवार 20 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भजनलाल सरकार ने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का ऐतिहासिक लक्ष्य किया पूरा

राज्य सरकार राजस्थान को हरा-भरा बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

वन मंत्री ने मुख्यमंत्री को पौधा भी भेंट किया

जयपुर. कासं

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर विमोचन किया तथा वन मंत्री ने मुख्यमंत्री को पौधा भी भेंट किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर, हमारी सरकार ने राजस्थान को हरा-भरा बनाने का संकल्प किया है। इसके तहत राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया था। हमारा लक्ष्य है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण किया जाए। इस अभियान के तहत पौधों की जियो टैगिंग कर उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने की अपील की

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष हमारा 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था जिसे पूरा कर हमने 7 करोड़ 50 लाख पौधे लगाए थे। उन्होंने कहा कि इस साल भी हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है तथा अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत अब तक 37 लाख 51 हजार पौधे व्यक्तिगत स्तर पर तथा 9 करोड़ 83 लाख पौधे ब्लॉक स्तर पर लगाए गए हैं। 20 लाख हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया। साथ ही, 2 लाख 74 हजार 920 पौधारोपण साइट्स पर 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा 3 करोड़ 25 लाख, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 2 करोड़ 65 लाख, वन विभाग द्वारा 2 करोड़, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 50 लाख सहित विभिन्न विभागों द्वारा पौधारोपण किया गया है।

10 वर्षीय विहान ने एक मिनट में 119 किक्स लगाकर बनाया रिकॉर्ड

ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट है विहान जैन

जयपुर. कासं

शिवा मार्शल आर्ट्स अकादमी के 10 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्र विहान जैन ने अपनी मेहनत और लगन से मंगलवार को नया इतिहास रच दिया। विहान ने एक मिनट में सर्वाधिक 119 किक्स लगाकर अद्भुत रिकॉर्ड बनाया है, जिसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में आधिकारिक रूप से दर्ज किया गया। यह उपलब्धि एडजुडिकेटर संजय भोला धीर की मौजूदगी में प्रमाणित की गई। विहान जैन पिछले चार वर्षों से शिवा क्लब में ताइक्वांडो का अभ्यास कर रहे हैं। वे ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं और अब तक तीन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। हाल ही में, अप्रैल माह में, उन्होंने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए फेडरेशन कप में भी हिस्सा लिया।

ओलंपिक्स में भाग लेना सपना

केवल 10 वर्ष की आयु में विहान रोजाना चार घंटे अभ्यास करते हैं। उनका सपना है कि एक दिन वे भारत की तरफ से ओलंपिक्स में ताइक्वांडो खेल में भाग लें और देश का नाम रोशन करें। शिवा मार्शल आर्ट्स अकादमी के संस्थापक और स्वामी प्रदीप सिंह राघव विहान के मार्गदर्शक हैं।

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. के सानिध्य में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व की अष्ट दिवसीय आध्यात्मिक आराधना कल से

शास्त्र वाचन के साथ प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर प्रवचन एवं दोपहर में धार्मिक प्रतियोगिताएं

जीवन में अमीर बनने का पासवर्ड दान : कुमुदलताजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व की आराधना में अष्ट दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन 20 अगस्त बुधवार से प्रारंभ होंगे। इसके तहत प्रतिदिन सुबह 8.30 से 9 बजे तक अतंगडदशा सूत्र का वाचन एवं सुबह 9 से 11 बजे तक अलग-अलग विषयों पर प्रवचन होंगे। दोपहर 2 से 3 बजे तक कल्पसूत्र का वाचन होगा। दोपहर 3 से 4 बजे तक धार्मिक प्रतियोगिता होगी। सूर्यास्त बाद प्रतिक्रमण होगा। पर्युषण महापर्व का प्रारंभ 20 से 22 अगस्त तक सामूहिक तेला तप आराधना से होगा। तेला तप करने के लिए सैकड़ो श्रावक-श्राविकाएं नाम दे चुके है। तेला तपस्वियों के सामूहिक पारणे 23 अगस्त को सुबह 7.15 बजे सुभाषनगर स्थानक में होंगे। पर्युषण के दौरान सुभाषनगर स्थानक में अखण्ड नवकार महामंत्र का जाप भी होगा। इस दौरान सुबह 7 से रात 9 बजे तक श्राविकाएं एवं रात 9 से सुबह 7 बजे तक श्रावक जाप करेंगे। पर्युषण महापर्व प्रारंभ होने से पहले मंगलवार को प्रवचन में साध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने दान की महिमा पर चर्चा करते हुए कहा कि पर्युषण में दान देने की भावना रखे ओर इससे अनंत पुण्यार्जन होता है। दान की राशि की बजाय भावना महत्वपूर्ण होती है। पर्युषण जैनियों का महापर्व होने से हमारे जीवन में बदलाव प्रतीत होना चाहिए।

केवल दुख में ही नहीं सुख में भी प्रभु आराधना नियमित करें : आर्यिका सुरम्यमति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में नित्य दिन अभिषेक एवं पूजा आराधना एवं आचार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि शांति की कामना की गयी कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि आज आर्यिका सुरम्य मति माताजी ने नियमित प्रवचन श्रृंखला में श्रृद्धालुओं को संबोधित करते हुए सुख दुख पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम दुःख मिटाने के लिए दुख के समय प्रभु की पूजा आराधना करते हैं और सुख में भगवान को भूल जाते हैं यह सर्वथा अनुचित है ,जीवन में चाहे सुख हो या दुख हो हमें निरंतर प्रभु की पूजा आराधना करनी चाहिए यदि हम सुख में भी प्रभु की भक्ति करते हैं और पिछले कर्मों की वजह से यदि दुख आता भी है तो वह भक्ति निमित्त मात्र उसे सहन करने की आपको क्षमता प्रदान करता है सोलह कारक भावनाओं के भाने से तीर्थंकर प्रकृति का बंध होता है और देवगण भी उनके गुण गाते हैं तीर्थंकर के गर्भ में आने से 6 महीने पहले से ही रत्नों की वर्षा शुरू हो जाती है एवं देवों द्वारा सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की जाती है इसी प्रकार सफलता के बारे में माताजी ने कहा लक्ष्य तय करो और डटे रहो एक न एक दिन सफलता अवश्य मिलती है, असफलताओं से मत घबराओ कार्यक्रम में मितेश लदाना ने बताया कि 48 दिवसीय भक्तामर दीप अर्चना में फूलचंद ,अशोक कुमार, मुकेश कुमार गिंदोड़ी परिवार जनों द्वारा सहभागिता निभाते हुए धर्म लाभ प्राप्त किया, कार्यक्रम में आशुतोष झंडा ने बताया कि उक्त समय समाजसेवी सोहनलाल झंडा, महावीर बावड़ी , महावीर झंडा, महावीर अजमेरा, शिमला देवी नला सुनीता देवी लदाना, मीरा देवी झंडा, संतोष देवी मांदी, रेखा झंडा, मीनाक्षी मांदी, शोभा झंडा, संगीता कागला, रेखा धमाणा, रानी नला, पिंकी मोदी, शिखा तथा बावड़ी तथा कमलेश चौधरी सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान

मोह रूपी अंधकार के कारण लक्ष्य से भटक रहा इंसान: मुनि अनुपम सागर

श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में संयम भवन में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मोह रूपी अंधकार के कारण व्यक्ति पुरूषार्थहीन होकर लक्ष्य से भटक रहा है ओर निज आत्मा का कल्याण नहीं कर पा रहा है। मोह के कारण वह अपना भला बुरा भी नहीं समझ पाता ओर जीवन में परेशानियों से घिर जाता है। अज्ञानता से राग द्वेष जनित क्रोध,मान,माया,लोभ के कारण प्रमादी होकर विवादों में फंस जाता है। ये विचार श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास कर रहे पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर महाराज के शिष्य मुनि अनुपम सागर ने मंगलवार को संयम भवन में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य से भटक जाने के कारण मनुष्य दुर्लभ मानव भव को भी सार्थक नहीं कर पाता है। मोह का आवरण आत्मा से हट जाए तो व्यक्ति आत्म कल्याण कर सकता है। मानव पर्याय की उपयोगिता को भूलने से व्यक्ति रत्नत्रय रूपी संपति से वंचित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मन,वचन ओर काया तीनों की शुद्धि होने पर हमारी आत्मा कर्मो से हल्की होगी। कर्म खपाने पर ही हमारी आत्मा को भव भ्रमण समाप्त कर मुक्ति का मार्ग मिलेगा। मुनि निर्मोहसागर महाराज ने कहा कि व्यक्ति के पास जीवन में धन की अधिकता से भी इन्द्रियों पर नियंत्रण नहीं रह पाता है। इससे इंसान को विभिन्न तरह के दुःखों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में इंसान को ज्ञान ओर विवेक का उपयोग कर समाधान का मार्ग खोजना चाहिए। जो इन्द्रियों पर संयम रखना सीख लेता है उसका जीवन सार्थक हो जाता है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में समिति के पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने देव शास्त्र गुरू के समक्ष दीप प्रज्वलन,गुरू पाद प्रक्षालन, जिनवाणी भेंट एवं अर्ध समर्पण किया गया। समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के अवसर पर श्री सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर परिसर में महाराजश्री के सानिध्य में 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक आयोजित होने वाले जैनत्व संस्कार साधना शिविर के लिए पंजीयन 24 अगस्त तक कराया जा सकता है। शिविर के बारे में अधिक जानकारी मंदिर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। धर्मसभा का संचालन पदमचंद काला ने किया।

-भागचंद पाटनी,
मीडिया प्रभारी

जिस व्यक्ति ने तुम्हारा सर्वनाश किया हो उसके प्रति दया और करुणा आ रही है तो आप भगवत पद की ओर है: मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

सुभाष गंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित किया मुनिश्री ने, धन्य कुमार चरित्र ऐसा व्यक्तित्व जिसे हम अपने जीवन में उतारें : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जिस व्यक्ति ने तुम्हारा सर्वनाश किया हो तुमारे लिए यातना दी हो इसके बाद भी तुम्हारे मन में उसके प्रति दया और करुणा आ रही है उसके कल्याण की भावना आ रही है तो समझ लेना तुम भगवान वनने की ओर अग्रसर हो रहे हैं सज्जन पुरुष के लक्षण माफी मांग लें तो माफ करने वाले सज्जन पुरुषों की कोटी में आते हैं हर व्यक्ति को भगवान शब्द बहुत अच्छा लगता है भगवान वनने का लक्ष्य है क्या तुम सर्वे नाश करने वालो पर भी आपको दया आती है उसके कल्याण की भावना आती है जैसे पारसनाथ जिनके भाई ने माफी मांगने पर बारह मन की शिला पटक दी कैसे वन मरियादा पुरुषोत्तम जिनकी दुनिया पूजा कर रही है मां थी केकई उसने घर से निकालने का प्रण लें लिया उसको अपने बेटे पर दया नहीं आई और वे देखो मरियादा पुरुषोत्तम हंसते हुए जंगल की ओर विहार कर रहे हैं पद तो मां का था पूज्य पद था आचरण निकृष्ट हो गया जिस समय केकई वरदान मांगा रहीं थीं उस समय निष्कर्ष हो गई थी दुनिया जिनकी तलवार के सामने नतमस्तक थी ऐसे राजा दशरथ केकैई के आगे झुक गये लेकिन ककैई झुकने पर भी बात मानने को तैयार नहीं हुई इतनी गिर गई अपने बेटे की शत्रु वन गई वो मां नहीं रही। फिर भी रामचन्द्रजी मां के चरणों की वंदना कर रहे हैं भगवान ऐसे ही नहीं वन जातें क्या है कैसी थी आत्माएं इतनी बड़ी महा शक्ति झुक गई कोई मान नहीं आया इगो नहीं जागा ये भाग्य वान वनने का लक्ष्य है ऐसा परिणाम जिसके अंदर आ जायें वहीं भगवान वनता है शास्त्रों में एक उदाहरण आता है बाबा दी किनारे बैठे थे एक विच्छू पानी में डूब रहा है तो बाबा जी उसे बचाने हाथ से निकालने पर डंक मार देता है कई बार ऐसा होने पर पास ही देख रहे सज्जन बोले बाबा जी आप इसको क्यों बचा रहे हैं ये बार बार डंक मार है डंक मारना स्वभाव है तव संत जी कहते हैं कि जव एक विच्छू अपना स्वभाव नहीं छोड़ रहा तो हम साधु हो कर अपने स्वभाव नहीं छोड़ेंगे तीन खंडों के अधिपति नारायण जैसी महान हस्ती श्रीकृष्ण जी दूत वनने को तैयार हो गए उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

धन्य कुमार चरित्र पर होगी प्रतियोगिता: विजय धुर्रा

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी के आशीर्वाद से वर्णी जीश्री गंभीर सागर जी महाराज के निर्देशन में धन्य कुमार चरित्र पर एक लिखित प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है इस प्रतियोगिता को दो वर्गों में आयोजित किया जा रहा है जिसमें पन्द्रह बरस से कम और इसके ऊपर दोनों वर्गो में माता बहन बन्धु वर्ग भाग लेकर श्रेष्ठ स्थान पर करेंगे तो उन्हें कमेटी द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा इसके पहले मुम्बई के कमिश्नर दिलीप बोलर उदयपुर शहर के उप महापौर पारस सिंघवी सहित अन्य भक्तों ने मुनिश्री को श्री फल भेंट किए जिनका बहुमान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई मनीष सिंघई मनोज रन्नौद थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो दारा किया गया इस दौरान अतिथियों द्वारा आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप

प्रज्जवलन किया गया।

महापुरुषो से भी आगे होती है भगवत की विशेषताएं

उन्होंने कहा कि राम चन्द्र जी वनवास जाने के पहले हित करने वाले की मां की जगह अहित करने वाली मां ककैई के आगे पहले झुकने, चरण वंदना करने पहुंच गये और अपनी माता कोसल्या की चरण वंदना करने वाद में पहुंचे ये महा पुरुष की विषेशता से भी आगे भगवान वनने वाली विशेषता हैं ये प्रसंग इसलिए सुना रहा हूं कि कभी भगवान वनने का मौका मिले कभी ऐसा परिणाम अपने अंदर जाग जाये पहले तो दुश्मनी का भाव आता है फिर कभी माध्यथ भाव आ जाएं इससे भी आगे कभी ऐसा भाव आ जाएं पहली बात तो ये दुर्लभ है इसके बाद भी दुर्लभ तम दुर्लभ अवसर आ जायें कि मैं साधु से भगवान वन जाऐग मैथलीशरण गुप्त साकेत नामक ग्रंथ में लिखते हैं जनकर जाननी जान पाई--कि जव भरत मां कैकइ से चित्रकूट धाम जाने को कहते हैं तो वह कहते हैं कि राम मुझे माफ नहीं करेंगे तव भरत जी कहते हैं कि जन्म देकर भी मां तुम अपने बेटे पहचान नहीं पाईं कितनी बात कह दी। उन्होंने कहा कि एक बार जब विभीषण राम चन्द्र जी की शरण में आये तो श्री राम के मुख से निकल गया हे लंकेश ऐसा बोलने के बाद श्री राम का चेहरा मलिन हो गया ऐसा देख लक्षमण ने पूछा आप के चेहरे पर मलिनता क्यों तव श्री राम कहते हैं कि मैंने विभिषण को लंकेश कह दिया यदि रावण मेरी शरण में आ गया तो इन वचनों का क्या होगा ऐसे थे हमारे महान पुरुष उन्हें अपने वचनों की किस तरह से चिंता रहती थी उन्होंने कहा कि अपने धन का उपयोग या तो गुण वान के लिए करना या दरीद्री जो बहुत ही गरीब हो उसके लिए देना। गरीब आदमी की यदि तुमने सहायता की तो वह गरीब तुम्हारे लिए जन्म जन्म तक दुआ देगा।

हमारे पास धन की पूंजी से ज्यादा, अच्छी वाणी और व्यवहार की बहुत जरूरत है: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

तरुणसागरम तीर्थ गाजियाबाद

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वषायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि अच्छा जीवन जीने के लिये बोलने का ढंग बहुत जरूरी है..! हमारे पास धन की पूंजी से ज्यादा,, अच्छी वाणी और व्यवहार की बहुत जरूरत है। धन, दौलत, रूपया, पैसा, ज्ञान, संस्कार तो बहुत बढे.लेकिन हमारे बोलने की टोन और घटिया सोच के कारण, आज आदमी ना जी पा रहा है और ना

मर पा रहा है - ? हम आज भी वहीं खड़े हैं जहाँ 20 साल पहले खड़े थे। धन वृद्धि हो पर उदारता भी आना चाहिए। ज्ञान की वृद्धि हो पर विनम्रता भी आना चाहिए। शिक्षा बढ़े पर माता पिता गुरू जन के द्वारा प्रदत्त संस्कार भी कम नहीं होना चाहिए। अच्छे विचारों की पूंजी ही आज की असली कमाई है, क्योंकि सकारात्मक सोच और अच्छे विचार, आदमी को कभी जीते जी मरने नहीं देते। अन्यथा आज का आदमी जीवन जीने के नाम पर, जीवन का बोझ ढो रहा है। आदमी भीतर से यानि (मन से) रोज दिन में 10-20 बार मरता है...! आगे आचार्य श्री ने कहा कि यह तीन के भाग्य का धन सबको मिलता है..

बहिन बेटी के भाग्य का धन सन्त महात्मा के भाग्य का धन, और गौ माता के भाग्य का धन। यदि घर में बेटी ने जन्म लिया, तो उसके भाग्य का धन पिता को जरूर से मिलेगा। गाय को यदि एक रोटी खिलाई है, तो उसके भाग्य का पुण्य जरूर मिलेगा।सन्त महात्मा को एक गिलास पानी भी पिलाया है, तो उसके भाग्य का पुण्य जरूर मिलेगा। परन्तु बेटे का भाग्य का धन, पिता को कभी नहीं मिलता...!!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

यह मनुष्य के सामने आदिकाल से ही सबसे बड़ा प्रश्न रहा है कि मैं कौन हूं? बहुत से लोग आए और जीवन भोगकर चले गए, किंतु इस प्रश्न के प्रति बेपरवाह रहे। संसार के मायावी आकर्षण ने उन्हें इतना चकाचौंध कर दिया कि उन्हें कभी अपने निकट आने और स्वयं को समझने का समय ही नहीं मिला। वे भाग्यवान थे कि जिन्होंने अपने सच को पहचाना और इसे धारण कर मोक्ष को प्राप्त हुए। धर्म ग्रंथों और धर्म पुरुषों की वाणी में जीव को पंच तत्वों- धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश- से मिलकर बना हुआ माना गया है, जिसका अंत निश्चित है। ये पांचों तत्व सृष्टि में प्रचुरता में उपलब्ध हैं। जीव की मृत्यु के बाद ये पांचों तत्व अपने मूल में लौट जाते हैं। मनुष्य जब संसार में अपनी पहचान 'मैं' के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है, तो वह एक भ्रम में जी रहा होता है। इस 'मैं' में उसका कुछ भी नहीं होता है। सारा कुछ ग्रहण किया गया है और निश्चित रूप से लौट जाने वाला है। मनुष्य का 'मैं' वास्तव में स्थापित हो ही नहीं सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी कोई ज्ञात अवधि नहीं है। पल भर में उसका विनाश हो सकता है। आज तक कोई जान नहीं सका है कि उसका जीवन कितने दिनों, कितने पलों का है, इस ज्ञान को दोहराने वालों की कमी नहीं है, किंतु इस पर विश्वास करने वालों का घोर अभाव है। हर कोई ऐसे व्यवहार कर रहा है कि मानों वह कोई विशिष्ट है और उसे सदियों तक जीवित रहना है। अपने बारे में जानना, अपनी रचना और अपने नाशवान होने के बारे में विश्वास करना है। यह विश्वास उसके आचरण को बदल देता है और उस परम शक्ति के निकट ले जाता है, जिसने उसे रचा है और जीवन दिया है। वास्तव में अपने आप में अपने जैसा कुछ भी नहीं है। यदि अपने जैसा कुछ भी शेष नहीं रहने वाला तो कैसा अहंकार? मनुष्य का अहंकार ही उसकी अधिकांश समस्याओं का मूल है और ईश्वर से दूर ले जाने वाला है। ईश्वर से दूर रहना जीवन के लक्ष्य से भटकना है। पंच तत्वों से बने तन के अंदर की चेतना अथवा आत्मा कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं परमात्मा का ही अंश है। मनुष्य योनि उस बिछड़ी हुई आत्मा का परम आत्मा से मेल का अवसर है, ताकि वह आवागमन के चक्र से मुक्त हो सके। 'मैं' के सच को धारण कर के ही 'मैं' से मुक्त हुआ जा सकता है और परमात्मा की अनुभूति की जा सकती है।

संपादकीय

बारिश अब राहत से ज्यादा तबाही ला रही है ...

मौसम की अपनी गति होती है और सामान्य स्थितियों में वह पारिस्थितिकी चक्र को बनाए रखने का एक जरूरी हिस्सा होती है। मगर पिछले कुछ समय से इसके स्वरूप में तेजी से बदलाव दर्ज किया जा रहा है और खासतौर पर बारिश की वजह से होने वाली तबाही की तस्वीर ज्यादा बिगड़ती जा रही है। यों हर वर्ष मानसून के पूरे मौसम में बारिश की वजह से देश के ज्यादातर हिस्से कम या ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा

लगता है कि बरसात अब बेलगाम हो रही है और तबाही का सिलसिला-सा बनता जा रहा है। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश के मंडी सहित कई इलाकों में जिस तरह लगातार बार-बार बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे समूची स्थानीय आबादी के सामने किसी तरह खुद को बचाने की चुनौती खड़ी हो रही है। यह समझना मुश्किल हो रहा है कि कम या ज्यादा बरसात वाले जिस मानसून को देश की खेती-किसानी के लिए एक जरूरत के तौर पर देखा जाता था, अब वह कई राज्यों में व्यापक तबाही का कारण क्यों बन रहा है। कई इलाकों में अब बारिश के समांतर बादल फटने की घटना में भी इतनी तेजी से बढ़ोतरी क्यों देखी जा रही है? दूसरी ओर, कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। नतीजतन, दिल्ली जैसे महानगर का बड़ा हिस्सा कुछ देर की घनघोर बरसात में ही जलभराव, सड़क जाम से त्रस्त हो जाता है और पेड़ों के गिरने से होने वाले जानमाल के नुकसान की अनेक घटनाएं सामने आती हैं। हालांकि समूची दुनिया में मौसम के बिगड़ते स्वरूप को लेकर चिंता जताई जा रही है और इसे वैश्विक तापमान का नतीजा माना जा रहा है। इस मसले पर वैज्ञानिक अध्ययनों में बारिश के बेलगाम होने और उससे तबाही की मूल वजहों की खोज की जा सकेगी और फिर उसी मुताबिक उसका सामना करने के उपाय भी ढूंढ़े जाएंगे। प्राकृतिक आपदाओं को शायद रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उससे बचाव के उचित इंतजाम किए जाएं, तो तबाही से जानमाल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है। विडंबना यह है कि पहाड़ी इलाकों में नदियों के किनारे आबादी बस जाती है, पर्यटन के लिहाज से बड़े होटल बना लिए जाते हैं, लेकिन इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता कि अगर कभी मौसम की वजह से नदी का रुख बिगड़ा तो उससे बचना कैसे मुमकिन होगा। जरूरत इस बात की है कि प्रकृति और मौसम के चक्र को लेकर एक गंभीर समझ बनाई जाए और उसी अनुकूल जीवनशैली को विकसित किया जाए। पिछले दिनों उत्तराखंड के धराली और हर्षिल में, फिर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और उससे हुई जानमाल की भारी तबाही की जैसी घटनाएं हुई, उन्होंने देश के बाकी हिस्सों के लोगों को भी दहला दिया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कृषि क्षेत्र की मजबूती

कृषि क्षेत्र सिंचाई कार्यों के लिए देश की कुल बिजली के करीब पांचवें हिस्से की खपत करता है। डीजल का बहुत बड़ा हिस्सा भी इसी काम में लगता है। डीजल पंप की जगह सौर ऊर्जा से संचालित पंप लगाकर और ग्रिड से जुड़े पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़कर पीएम- कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) योजना कार्बन उत्सर्जन कम करने, सब्सिडी कम करने और किसानों को इनपुट की लागत के उतार-चढ़ाव से बचाने में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना का पहला चरण 2025-26 में चल रहा है और इसका लक्ष्य है सोलर पंपों, ग्रिड से जुड़े पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़कर तथा बंजर भूमि पर छोटी सौर ऊर्जा परियोजनाओं की मदद से सिंचाई के लिए 34.8 गीगावॉट अतिरिक्त सौर ऊर्जा तैयार करना। करीब 34,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ योजना का लक्ष्य 14 लाख सोलर पंप स्थापित करना और 35 लाख ग्रिह से जुड़े कृषि पंपों को सौर ऊर्जा संचालित पंप में बदलना है। इसमें फीडर स्तर तक को भी सोलर में बदलना शामिल है। वास्तव में मांग में इजाफा हुआ है और यह इस बात को रेखांकित करता है कि सौर ऊर्जा को स्वीकार करने और इसका विस्तार करने की अत्यधिक आवश्यकता है। 2024 25 में ही भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी ने योजना के तहत ऋण की मंजूरी में 27 फीसदी इजाफा दर्ज किया और ऋण राशि 47,453 करोड़ रुपये पहुंच गई। ऋण वितरण में 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इस संबंध में अगस्त 2024 में कृषि अधोसंरचना निधि में इसके एकीकरण के बाद नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा इस योजना के दूसरे चरण को शुरू करने की काफी संभावनाएं नजर आती हैं। पहले चरण के सबकों से सीख लेते हुए अब केंद्रीय वित्तीय सहायता की सीमा हटाई जा सकती है और एग्रोवॉल्टेइक स्थापनाओं को समायोजित किया जा सकता है जहां फसल और सोलर पैनल एक साथ होते हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र के केंद्रीकृत भू- एकीकरण पोर्टल की तरह बड़े पैमाने पर अपनाए जाने वाले मॉडल भी अपनाए जा सकते हैं जहां 40,000 एकड़ से अधिक जमीन का इस्तेमाल सौर खेती के लिए किया जा रहा है। डीजल पंप को बदलने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और ईंधन कीमतों के उतार-चढ़ाव से बचने में मदद मिलेगी। सौर ऊर्जा दिन के समय उच्चतम उत्पादन करती है जो सिंचाई की जरूरतों के अनुरूप है और इसे अधिक किफायती बनाता है। इतना ही नहीं किसानों द्वारा जो अतिरिक्त बिजली तैयार की जाएगी उसे वापस ग्रिड में भेजा जा सकता है। इससे उन्हें न्यूनतम लागत पर अतिरिक्त आय अर्जित करने में भी मदद मिलेगी। इस प्रकार सौर ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद कर सकती है बल्कि उसकी बदौलत हम विकेंद्रीकृत और मजबूत बिजली सहयोग हासिल कर सकते हैं और ग्रामीण समुदायों को भी मजबूत बना सकते हैं। यह सही है कि पवन ऊर्जा और बायोमास भी देश में नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण के अहम घटक हैं। वे भी मायने रखते हैं लेकिन पवन ऊर्जा क्षमताओं का पूरा लाभ लेने में भौगोलिक बाधाएं आड़े आती हैं। यह किसानों के लिए भी उतना अनुकूल नहीं है। दूसरी ओर बायोमास लॉजिस्टिक्स और टिकाऊपन से जुड़े कई सवाल खड़े करती है। सौर ऊर्जा किसानों के नियंत्रण वाली और किफायती ऊर्जा साबित होती है।

धर्म जागृति संस्थान का अहिक्षेत्र तीर्थ स्थल पर रविवार 24 अगस्त को होगा राष्ट्रीय अधिवेशन

राजस्थान के राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं, आचार्य वसुनंदी जी के सानिध्य में होगा अधिवेशन व स्मारिका का विमोचन

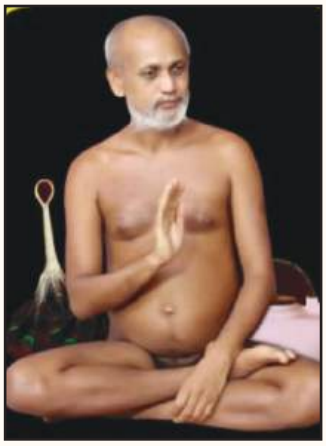

जयपुर. शाबाश इंडिया

देव शास्त्र गुरु भक्त जनो की सेवा भावी पंजीकृत संस्था ''अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान रजि'' का रजत वर्षीय राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार 24 अगस्त को जैन तीर्थ स्थल अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ, राम नगर (उत्तरप्रदेश) में प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 वसुनंदी महामुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित होने जा रहा है। अधिवेशन में समाज हित तथा समाज की ज्वलन्त समस्याओ के साथ जरूरत मन्द को शिक्षा, चिकित्सा की सुविधाओं पर चर्चा की जाएगी। संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री ई. भूपेंद्र जैन दिल्ली एवं प्रचार सचिव संजय जैन बडजात्या कामां के अनुसार अधिवेशन में राजस्थान सहित दस राज्यों के करीब पाँच सौ से अधिक प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे । इस रजत जयंती वर्ष पर एक वृहद स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है जिसका संपादन का कार्य पंडित मनोज जैन शास्त्री आदि कर रहे है। अधिवेशन के संयोजक निकुंज जैन दिल्ली ने बताया कि अधिवेशन में दो सत्र होंगे तथा दूसरे सत्र में देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पित भक्त जनों का सम्मान भी किया जाएगा। राजस्थान प्रान्त के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला जयपुर ने बताया कि अधिवेशन हेतु झोटवाड़ा जयपुर में चातुर्मास रत उपाध्याय श्री 108 वृषभा नंद जी मुनिराज ने आशीर्वाद प्रदान किया है। इधर राजस्थान के महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा ने भी सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की है। राजस्थान सरकार के मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, जवाहर सिंह बेढम और गौतम दक जी ने भी स्मारिका प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है। अधिवेशन के दौरान सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता व शाखाओं को भी पुरष्कृत किया जाएगा।

मित्रता से सभी कार्य पूर्ण होते हैं: मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज

जैन पत्रकार महासंघ (रजि) ने लिया मुनि श्री आदित्य सागर जी का आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर में जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया के नेतृत्व में मंगलवार 19 अगस्त को प्रातः 9 बजे आयोजित धर्म सभा में महासंघ के दल ने परम पूज्य मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के दर्शन कर सामूहिक रूप से श्रीफल चढ़ाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि जैन पत्रकार महासंघ समय-समय पर धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करता रहा है। पूज्य मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त करना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। महासंघ के पदाधिकारियों ने मुनि श्री से पत्रकार सम्मेलन के सम्बन्ध में भी चर्चा की। पूज्य मुनि श्री ने धर्म सभा में अपने मंगल और उद्बोधन में कहा कि सभी को मित्रता से रहना चाहिए, सच्चे मित्र बनाने चाहिए, मित्रता से ही सभी कार्य पूर्ण होते हैं, संकट के समय मित्र ही काम आते हैं । मुनि श्री ने मित्रता के ऊपर सारगर्भित विचार प्रकट किये। दर्शन कार्यक्रम में महासंघ के रमेश जैन तिजारिया, उदयभान जैन, पदम बिलाला, सतीश अकेला,बलवंत राज मेहता, विमल बज, वी बी जैन सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर महासंघ के संरक्षक पदम बिलाला ने पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट किये, राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अपने जन्मदिन पर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य मुनि श्री ने सभी को धर्ममय जीवन, सत्यनिष्ठ पत्रकारिता और समाज सेवा का संदेश दिया। **-प्रेषक : उदयभान जैन**

मूर्छा भाव व्यक्ति को नियम संयम से दूर करता है: आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज

रामगंजमंडी

परम पूज्य आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए गति के विषय में प्रकाश डाला सबसे अच्छी गति मनुष्य गति को बताया । महाराज श्री ने बुजुर्ग व्यक्तियों के विषय में कहा कि आप लोग 60 65 की उम्र के हो गए अभी भी दुकान आदि पर जाने का मोह है। आपके मन में है पुरानी दुकान है ग्राहक हमें ही जानता बेटे को नहीं जानता। बेटे को अवसर दे दो की ग्राहक उसे जानने लग जाए मूर्छा नहीं छुटती मै जाउंगा तो दुकान चलेगी। नहीं जाऊंगा तो नहीं चलेगी। यही मूर्छा भाव व्यक्ति को व्रत नियम संयम से दूर करता है। अब यह स्थिति आने लगी है बेटे भी पिताजी से कहने लगे हैं आपको धर्म ध्यान करना चाहिए। बेटे समझदार हो गए पिता नासमझ हो गए। बेटे भी यह कहने लगे आप मंदिर जाओ स्वाध्याय करो उन्होंने कहा चिंतन करो मनन करो साधुओं के पास जाओ सही कार्य करने की सलाह देने वाले व्यक्ति भी हैं तब भी दिमाग में नहीं बैठती।अब नही संभलोगे तो खाट पर आकर तो नहीं संभल सकते डॉक्टर इंजेक्शन बोतल लगाएगा दवाई देगा अंत में कह देगा दुआ दवा कुछ नहीं आई एम सॉरी क्या फायदा है मनुष्य पर्याय मिली है मनुष्य गति मिली है तो इससे जितने लाभ मिल सके लेना चाहिए। मनुष्य पर्याय हमें मिली है तो हमें एक एक क्षण की वसूली करना चाहिए। पहले नहीं कर पाए हो तो जितना समय बचा है जितने वर्ष बचे हैं

उस मेहनत का परिश्रम का फल प्राप्त कर लो जिससे आप मनुष्य हुए हो। उन्होंने कहा फुटपाथ बैठे लोगों को देखकर लगता है मैं बहुत अच्छा हु लोग खाने को तरस रहे हैं लोग लड़ रहे हैं यह सब सहज नहीं है यह सब किए हुए कर्मों का फल है। मनुष्य गति मनुष्य आयु तो बांध ली उसके बाद दुष्कर्म में लग गए आज प्रैक्टिकल में देखिए ऐसी भी मनुष्य गति है कि लोग सड़कों पर हैं भीख मांग रहे हैं और एक मनुष्य गति ऐसी है जिसमें आप रह रहे हैं। घर तो है दाल रोटी तो ठीक से खा रहे हैं। परिवार के बीच में है मंदिर जा रहे हैं। आपको समझ आएगा आपका परिश्रम कैसा था की आप व्यवस्थित मनुष्य हुए। उनके परिश्रम कितना अव्यवस्थित था कि वह फुटपाथ पर हुए। हमें अपने अंदर झांक कर तो देखना ही चाहिए। बड़ी मुश्किल में अवसर मिला है दिखा लो जितने कर्तव्य दिखाना है। अच्छे भी दिखा सकते हो और बुरे भी दिखा सकते हो। बड़ी मुश्किल में अवसर मिला है तुम्हें मनुष्य होने का। आगे भी मनुष्य हो सकते हो। सब तुम्हारे हाथ में है किसी के हाथ में नहीं है। सब कुछ तुम्हारे हाथ में है इस मनुष्य गति का सदुपयोग कर ले सही विचार सही भावना बना ले और स्वर्ग पहुंच जाए फिर मनुष्य गति में आए अपना मार्ग प्रशस्त कर ले। समझदार हो लेकिन अपने आप को नहीं भाप पा रहे हो यह करने से हमारी मनुष्य गति व्यर्थ हो रही है और यह करने से हमारी मनुष्य गति सार्थक हो जाएगी। उन्होंने कहा मनु की संतान को मनुष्य कहा जाता है इसका अर्थ कुलकर होते हैं। नाभिराय कुलकर थे और उन्होंने भगवान आदिनाथ को जन्म दिया। मनुष्य गति में मनुष्यों को मनु की संतान कहा जाता है। मनुष्य होने का भी कारण है यह सहज नहीं है। कर्म ही विधाता है यह हमें एक गति से दूसरी गति में ले जा रहे हैं। कर्म न्याय रूपी है। जैसा करते हैं वैसा ही मिलता है। जैसा जीव करता है वैसा ही न्याय जीव को मिलता है। हमने जो कर्म किए हैं या जो कर्म कमाए हैं उसे भोगना ही होगा लोग ज्योतिष के पास जा रहे हैं ज्योतिष कुछ करेगा नहीं। जो आपने किया है भोगना तो पड़ेगा ही और वही गति आपको मिलती है। अपने मूर्छा आस्था अल्प आरंभ परिग्रह को कम किया इसलिए आप मनुष्य हैं। स्वभाव की सरलता होगी तो आपको मनुष्य आयु का बंध होगा।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

मन की मजबूती से ही संभव है जीवन-विजय : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

मनुष्य यदि अपने मन को सशक्त बना ले तो सबसे बड़ी वेदना और बीमारी भी उसके सामने क्षीण हो जाती है। किंतु मन टूट जाए तो छोटी-सी पीड़ा भी असहनीय बन जाती है।श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने मंगलवार को पनवेल जैन स्थानक में आयोजित चातुर्मास प्रवास की धर्मसभा में श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र मे अनाथी मुनि प्रसंग का वांचन करते हुए श्रोताओं को संबोधित करतें हुए दिया। युवाचार्यश्री ने कहा कि रोग और कष्ट का मूल कारण मन की दुर्बलता है। दवाइयाँ केवल अस्थायी उपचार देती हैं, जबकि तपस्या शरीर और मन को भीतर से शुद्ध करती है। उन्होंने कहा तप एक ऐसा रसायन है, जिसका कोई दुष्प्रभाव नहीं। यह रोगों की जड़ काटता है और आत्मबल को जागृत करता है। प्रवचन के दौरान युवाचार्य प्रवर ने जापानी वैज्ञानिकों के उस शोध का उल्लेख किया, जिसमें 20 घंटे का उपवास कोशिकाओं को रिपेयर कर रोगों से बचाव करता है। उन्होंने कहा कि आज विज्ञान भी मान रहा है कि उपवास और संयम शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाकर गंभीर बीमारियों से बचाता है। जीवों की स्थिति को स्पष्ट करते युवाचार्यश्री ने कहा मनुष्य मक्खी की तरह श्लेष्म में फँसता है, हाथी की तरह दलदल में धँसता है और तेली के बैल की तरह चक्कर काटता है। परिवार, धन और विषयों में उलझकर जितना छूटने की कोशिश करता है, उतना और गहराई में धँसता चला जाता है।

लालकिले पर सम्मानित होने पर राकेश चौधरी का संस्था द्वारा स्वागत

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

डीडवाना कुचामन जिले के राजपुरा ग्राम के राकेश चौधरी, श्रीमती मनोहरी देवी को किसानों के उत्थान और सामाजिक सेवाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 के समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी परिवार द्वारा उनके निवास स्थान पहुंचकर उनका साफा एवं माला पहनाकर मूह मीठा कराकर स्वागत किया गया। इस दौरान संस्था से गवर्निंग काउंसलिग मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश गंगवाल, वीर तेज कुमार बडजात्या, वीर संपत बगड़िया, वीर संदीप पांड्या, युवा केंद्र से अध्यक्ष वीर आनन्द वीरा आशा सेठी, वीर पारस वीरा नेहा पहाड़िया, वीर विशाल पाटोदी, वीर आशीष वीरा दीप्ति झांझरी, वीरा नीतू पाटनी, वीर मनीष अजमेरा, वीर प्रवीण डोसी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय किसानों की आय वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले पर सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय गौरव राष्ट्रीय औषधिय पौधा बोर्ड, आयुष मंत्रालय की अनुशंसा पर प्रदान किया गया है। राकेश चौधरी ने कृषिदूत विश्व विकास फाउंडेशन के माध्यम से किसानों के लिए वेस्ट टू वेल्थ मॉडल, प्राकृतिक संसाधन, जीव जंतु और वनस्पति आधारित तीनों विकास मॉडल को अपनाकर हजारों किसानों की आजीविका और जीवन स्तर में सुधार किया है। वहीं, श्रीमती मनोहरी देवी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और समाज सेवा में प्रेरणादायक योगदान दिया है। **-वीर सुभाष पहाडिया जैन**

प्रभु की भक्ति से रोग पीड़ा कष्ट दूर होते हैं मनोकामना पूर्ण होकर सुख शांति मिलती है: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिय

प्रभु की भक्ति से आवागमन का रोग भी दूर होता है।सोलह कारण भावना पर्व में आप धर्मसभा में दर्शन विशुद्धि , विनय सम्पन्नता,शील, अभीक्ष्णज्ञानोपयोग , संवेग शक्तितस्त्याग ,शक्तितस्तप, आदि भावनाओं की विवेचना श्रवण कर रहे हैं।भगवान के अतिशय में बहुत शक्ति होती है असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। यह हमने 57 वर्ष के संयम काल में स्वयं महसूस किया है। टोंक नगर के अतिशयकारी श्री आदिनाथ भगवान का अतिशय था कि हमारे कदम जल्द ही जल्द टोंक नगर पहुंचे ,जबकि हमें भी यह नहीं लग रहा था कि हम चातुर्मास के पहले पहुंच सकते हैं। टोंक नगर के अतिशय युक्त श्रीआदिनाथ भगवान के समक्ष यहां के श्रावक श्राविकाओं की भक्ति से हमारा चातुर्मास यह होना भी अतिशय है इस क्षेत्र केअतिशय क्षेत्र घोषित होने की मंगल भावना की। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्मसभा में प्रकट की।राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि , ऐसा ही वाकया अतिशय

क्षेत्र महावीर जी में भी हुआ जब हम चातुर्मास स्थापना के अंतिम दिवस पर ही पहुंचे थे।श्री महावीर जी अतिशय क्षेत्र के श्री महावीर स्वामी के समक्ष हमारे माता पिता ने 12 संतानों के अल्पायु में निधन के बाद हमारी लंबी आयु के लिए उल्टा स्वस्तिक बनाकर केश मुंडन की भावना की थी। सन 1969 में हमारी मुनि दीक्षा आचार्य श्री धर्म सागर जी द्वारा महावीर जी में हुई ,वहीं केशलोच हुए और सीधा स्वस्तिक हमारे मस्तक पर दीक्षा गुरु ने बनाया। 24 वर्षों के बाद हमारे सानिध्य में महामस्तकाभिषेक होना दो पंच कल्याणक,24 फिट के खड्गासन प्रतिमा ओर नूतन 24 चौबीसी 3 माह में तैयार होना साक्षात अतिशय है।प्रभु की भक्ति से कष्ट पीड़ा रोग दूर होकर सुख,और मनोकामना पूर्ण होती हैं। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान ओर विकास जागीरदार ने बताया की आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री देशनामति माताजी ने सुख और शांति कैसे प्राप्त होती है इसकी विवेचना की।पुरुषार्थ करने से पुण्य मिलता हैं उपवास करने से प्रभु से निकटता होती हैं अहंकार मायाचारी के बदले विनय गुण होना चाहिए। आज की धर्मसभा में श्रीजी और पूवार्चार्यों के चित्र के समक्ष दीप प्रवज्जलन कर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य महावीर जी कमेटी ओर स्थानीय समाज को प्राप्त हुआ। आचार्य श्री के दर्शनहेतु अतिशय क्षेत्र महावीर जी कमेटी के अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु काशलीवाल सुभाष जैन मंत्री एस के. जैन ,उमरावमल जी सांघी पी. के. जैन जी ,सुरेश सबलावत का सम्मान चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष भागचंद फुलेता, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया, विकास अत्तर, कमल सर्राफ, विनोद सर्राफ, पप्पु नमक, नेमीचंद जैन, मोंटू टीवी,ने किया। 55 वर्षों के बाद टोंक नगर को आचार्य श्री के केशलोचन देखने का सौभाग्य मिला। इसके पूर्व प्रातः श्री जी का पंचामृत अभिषेक आचार्य श्री सानिध्य में हुआ।आचार्य श्री के आहार का सौभाग्य किशनगढ़ के पारस पांड्या परिवार को प्राप्त हुआ। सोलह कारण पर्व में अनेकों की व्रत साधना चल रही हैं दोपहर को संघ के अनेक साधुओं द्वारा धार्मिक विषयों पर शिक्षा दी जाती हैं शाम को श्री जी की आरती के बाद आचार्य श्री की आरती उत्साह और भक्ति से की जाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रेम और आत्मा का संगम

नाटक ''मैं तुम और हम'' ने जीता आमेर का दिल, नाटकवाला कला मंच ने दी प्रेमचंद जी को श्रद्धांजलि

आमेर, जयपुर. शाबाश इंडिया

गाँव-गाँव रंगमंच पहुँचाने की अनूठी मुहिम चला रहे नाटकवाला कला मंच, आमेर ने स्वतंत्रता दिवस पर दर्शकों को एक ऐसी रंगमंचीय प्रस्तुति दी, जिसने प्रेम की पवित्रतम परिभाषा को सामने लाकर दिलों में गहरी छाप छोड़ी। मंच के संस्थापक एवं विलेज थिएटर डेवलपर ओम प्रकाश सैनी के निर्देशन में खेले गए नाटक मैं तुम और हम – मैं तुझमें हूँ, तू मुझसे परे है ने प्रेमचंद जयंती नाट्य उत्सव 2025 की श्रृंखला को एक भावपूर्ण ऊँचाई दी। मैं तुम और हम एक सामाजिक और सौम्य प्रस्तुति है, जिसमें दिखाया गया है कि स्त्री का प्रेम आजीवन पुरुष के प्रति समर्पित होता है, किन्तु पुरुष अक्सर स्त्री को देह की वस्तु समझकर उसके समर्पण की गहराई को अनदेखा कर देता है। जब पुरुष को यह बोध होता है कि स्त्री का प्रेम आत्मा तक जुड़ा हुआ है, तब देह का महत्व समाप्त हो जाता है और प्रेम आत्मा के मिलन तक पहुँच जाता है। यहाँ देह का नहीं, आत्माओं का मिलन होता है, जो प्रेम को अमर बना देता है। संस्कृति और संवेदना का संगम - नाटक यह संदेश देता है कि सच्चा प्रेम वह है, जो सब कुछ देकर भी खाली न हो – यही प्रेम की पराकाष्ठा है। यह प्रस्तुति हर उम्र के दर्शकों के लिए उपयुक्त है और प्रेम की सही परिभाषा का संचार करती है। आमेर के ग्रामीण दर्शकों ने इस साहित्यिक सादगी और सांस्कृतिक गहराई वाली प्रस्तुति की भरपूर सराहना की। नाटकवाला कला मंच का यह प्रयास गाँवों में रंगमंच को पुनर्जीवित करने, साहित्य को मंच तक लाने और समाज में संवेदनशीलता के बीज बोने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

रंगमंच को समर्पित ओम प्रकाश सैनी एवं नाटकवाला कला मंच आमेर

यह नाटक 30 दिवसीय निशुल्क रंगमंच कार्यशाला नाटकवाला अभिनयशाला के अंतर्गत तैयार किया गया है, जिसे कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला का उद्देश्य नए कलाकारों को तैयार करना, उन्हें आत्मविश्वास देना और ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को मंच प्रदान करना है जिनके भीतर एक कलाकार छिपा है, लेकिन सामाजिक भय और संकोच के कारण सामने नहीं आ पा रहा। नाटक के लेखक एवं निर्देशक ओम प्रकाश सैनी ने बताया कमैंने रंगमंच को साधना बना लिया है। यह मेरे लिए सिर्फ कला नहीं, बल्कि जीवन का मार्ग है। आजीविका के लिए कोई दूसरा साधन नहीं है, फिर भी मैं इसी को जी रहा हूँ। सरकार हमें नाम मात्र सहयोग दे रही है, जबकि यदि उचित समर्थन मिले तो मैं राजस्थान के उन ग्रामीण अंचलों तक रंगमंच पहुँचा सकता हूँ जहाँ आज तक इसका नाम तक नहीं पहुँचा है।

प्रेमचंद की कहानियों से प्रेरित होकर लिखा नाटक मैं तुम और हम

मुंशी प्रेमचंद जी को श्रद्धांजलि - यह नाटक मुंशी प्रेमचंद जी की तीन किन्तु अपेक्षाकृत कम-प्रसिद्ध कहानियों – मिस पद्मा, रहस्य और अग्नि समाधी से प्रेरित होकर ओम प्रकाश सैनी की कल्पना द्वारा लिखा एवं निर्देशन किया गया है। ओम प्रकाश ने बताया –मैंने इसे मुंशी प्रेमचंद जी को श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रेमचंद जी का साहित्य और रंगमंच में योगदान अद्वितीय है। आज भी उनकी कई सामाजिक संदेश वाली कहानियाँ ऐसी हैं, जिन्हें बहुत कम लोगों ने पढ़ा है। हमारा उद्देश्य लोगों को प्रेरित करना है कि वे प्रेमचंद जी का साहित्य पढ़ें और उसमें छुपी संवेदनाओं को समझें।

गाँव-गाँव रंगमंच की मुहिम, साहित्य को मंच तक लाने का प्रयास

आमेर के ग्रामीण दर्शकों ने इस साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रस्तुति को भावपूर्ण सराहना दी। नाटक ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि प्रेम की सही परिभाषा और भारतीय संस्कृति में निहित मानवीय मूल्यों का संदेश भी दिया। नाटक के मुख्य कलाकारों में जयश्री शेखावत, मानवेन्द्र सिँह, पियूष सेन, आनंद शर्मा, परम तेजवानी, यस सैनी रहे और मंच परे में अंजली सैनी, विकास सैनी, प्रवीण कुमावत, युग सैनी, अवनी सैनी, हिमांशी सैनी, हँसा सैनी, विक्की सैनी इत्यादि थे' ओम प्रकाश सैनी ने घोषणा की कि आने वाले दिनों में इस नाटक की अधिकतम प्रस्तुतियाँ स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक मंचों पर की जाएँगी। इसका उद्देश्य न केवल प्रेमचंद जी के साहित्य का प्रचार करना है, बल्कि लोगों को पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से दूर ले जाकर भारतीय संस्कृति के पवित्र प्रेम की अवधारणा से जोड़ना है। मुंशी प्रेमचंद नाट्य उत्सव 2025 की आगामी कड़ी में 22 अगस्त 2025 को हरिशंकर परसाई जी की जयंती के अवसर पर उनका चर्चित व्यंग्य प्रेमचंद के फटे जूते नाटक रूप में मंचित किया जाएगा। इस प्रस्तुति का नाट्य रूपांतरण ओम प्रकाश सैनी ने किया है, जबकि इसका निर्देशन अंजली सैनी करेंगी।

ताइक्वांडो में कोटा की बेटियों ने लहराया परचम

जयपुर में अस्मिता खेलो इंडिया राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते 5 पदक

जयपुर. शाबाश इंडिया। 16-17 अगस्त 2025 को एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में कोटा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। कोटा जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कोटा की खिलाड़ी त्रिशा मीणा ने रजत पदक (सिल्वर) जीता, वहीं वेदिका धाकड़,आरुषि, आरोही और सान्वी चौरसिया ने कांस्य पदक (ब्रॉन्ज) अपने नाम किए। इसके अलावा आईशानी सक्सेना, दयावंती, रीना, राधिका, भूमिका चित्तौड़ा , हर्षिता , गरिमा शर्मा और काव्या ने भी अपने दमदार खेल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इन बेटियों ने न केवल अपनी मेहनत और जज्बे से कोटा का मान बढ़ाया, बल्कि राजस्थान का गौरव भी ऊँचा किया। विजेता खिलाड़ियों का कोटा लौटने पर जोरदार स्वागत किया गया। श्रीनाथपुरम स्टेडियम में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें खिलाड़ियों को माला पहनाकर और रैली निकालकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि 'इन बेटियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।'

वर्द्धमान शिक्षण समिति में हाइटेक कम्प्यूटर लैब एवं रांका ब्लॉक का भव्य उद्घाटन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय एवं भंवरलाल गोठी पब्लिक सी. सै. स्कूल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त नई शैक्षणिक इकाइयों का सामूहिक उद्घाटन सोमवार को बैंड की सुमधुर ध्वनि, नवकार मंत्र एवं भगवान श्री गणेश की स्तुति के साथ सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय में छात्राओं की आधुनिक शिक्षा के लिए 56 हाइटेक कम्प्यूटर, स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर सहित पूर्णतः वातानुकूलित ''बोहरा कम्प्यूटर लैब'' का शुभारंभ किया गया। वहीं विद्यालय में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु नवनिर्मित वातानुकूलित एवं आधुनिक फर्नीचर से परिपूर्ण ''रांका ब्लॉक'' का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर भामाशाह परिवारों एवं अतिथियों का अभिनंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ। चेन्नई निवासी भामाशाह राकेश कुमार रांका, केसर मरुधर रांका एवं अशोक बोहरा का स्वागत समिति अध्यक्ष सुनील खेतपालिया, मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख एवं प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने माल्यार्पण, शॉल, साफा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। इसी प्रकार पवन खींवसरा एवं वीणा खींवसरा का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भामाशाह रिखबचंद, पवन कुमार, विशाल कुमार खींवसरा (मरुधर बाबरा, हाल मुकाम माधावरम-चेन्नई) द्वारा आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं हेतु ₹21 लाख का सहयोग स्वीकृत किया गया। इसी श्रृंखला में नवीन रांका ब्लॉक के निर्माण के लिए कोडम्बाक्कम चेन्नई निवासी भामाशाह वाइसराज पदमचंद रांका द्वारा ₹11 लाख तथा सिंघवी ब्लॉक के लिए चेन्नई निवासी सम्पतराज, मनोज कुमार एवं अनिल कुमार सिंघवी द्वारा भी ₹11 लाख सहयोग स्वीकृत किया गया। समिति मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख ने भामाशाह परिवारों के सहयोग से महाविद्यालय एवं विद्यालय के निरंतर हो रहे भौतिक और शैक्षणिक विकास का उल्लेख किया। अंत में प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने भामाशाह परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष द्वितीय ज्ञानचंद बिनायकिया, सहमंत्री सुनील कुमार ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष देवराज लोढ़ा, कार्यकारिणी सदस्यगण सहित समाज के गणमान्य प्रबुद्धजन, महाविद्यालय एवं विद्यालय के समस्त संकाय सदस्य एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निधी पंवार एवं अनुपमा दाधीच ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

गुस्से को त्यागें

गुस्सा मनुष्य का स्वाभाविक भाव है, परंतु जब यह अनियंत्रित हो जाता है तो व्यक्ति के जीवन को अशांत और अव्यवस्थित कर देता है। गुस्से की आग सबसे पहले उसी व्यक्ति को जलाती है, जो इसे अपने भीतर पाले रहता है। यह स्थिति ऐसी है मानो कोई व्यक्ति स्वयं जहर पीकर दूसरे के मरने की आशा करें। गुस्से के क्षण में मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता है। सही और गलत का भेद मिट जाता है और वह ऐसे शब्द बोल देता है या ऐसे कार्य कर बैठता है, जिनका पछतावा जीवनभर करना पड़ सकता है। गुस्से में बोले गए कठोर शब्द रिश्तों को तोड़ देते हैं, और गुस्से में किए गए कार्य जीवन की शांति छीन लेते हैं। गुस्से को त्यागने का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य अन्याय को सहन करे, बल्कि इसका अर्थ यह है कि हम अपने मन पर संयम रखें। जब भी गुस्सा आए तो कुछ क्षण मौन रहें, गहरी साँस लें या परिस्थिति को ईश्वर पर छोड़ दें। धैर्य और सहनशीलता से काम लेने पर हर कठिन परिस्थिति सरल हो सकती है। धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी गुस्सा त्यागना बहुत आवश्यक है। संत-महात्माओं ने कहा है कि जहाँ क्रोध होता है, वहाँ शांति और प्रेम का वास नहीं हो सकता। गीता में भी भगवान कृष्ण ने गुस्से को मनुष्य के पतन का मुख्य कारण बताया है। जीवन की वास्तविक सफलता गुस्से को जीतने में ही है। जिस प्रकार ठंडी छाँव हमें गर्मी से राहत देती है, उसी प्रकार गुस्से का त्याग हमें आंतरिक शांति और सुख प्रदान करता है। इसलिए, यदि हम सुखी जीवन और अच्छे रिश्ते चाहते हैं तो गुस्से को त्यागना ही होगा। गुस्से के स्थान पर प्रेम, क्षमा और सहनशीलता को अपनाएँ, यही सच्चा जीवन मार्ग है।

अनिल माथुर @ जोधपुर (राजस्थान)

पहाड़िया परिवार ने गौशाला पहुंचकर गायों को हरा चारा खिलाया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल ब्यावर की प्रेरणा से राजकुमार पहाड़िया एवं यशोधर पहाड़िया परिवार ने अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय चिरंजीलाल पहाड़िया की पुण्य स्मृति में मसूदा रोड स्थित गौशाला में पहुंचकर गायों को हरा चारा खिलाकर उनकी सेवा की। आज सुबह आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में पहाड़िया परिवार द्वारा कुल 1145 किलो हरा चारा गायों को खिलाया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्था चेयरमैन वीर डॉ. तारेश जैन, राजकुमार पहाड़िया, चन्दा देवी पहाड़िया, यशोधर पहाड़िया, सुनील लोढ़ा, दीपचंद कोठारी, सुनील सकलेचा, ज्ञानचंद सेठिया, एडवोकेट नीलेश बुरड़, एडवोकेट वीरेन्द्र मेडतवाल, किशन हेडा सहित अन्य सदस्यों ने अपनी सेवाएं दीं।

जे एस जी अरिहंत ग्रुप की मौजमाबाद धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जे एस जी इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में ग्रुप के अध्यक्ष अमरचंद उषा दीवान की अध्यक्षता में जैन सोशल ग्रुप अरिहंत ने सेवा सप्ताह का समापन मौजमाबाद जैन मंदिर में किया। ग्रुप के सचिव कमलेश -मीनू चांदवाड ने बताया पंडित उपेंद्र शास्त्री के सानिध्य में गौरव, खुशबू जैन एंड पार्टी कुचामन वालों के द्वारा संगीतमय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ ग्रुप के सभी उपस्थित रहे सभी दंपति सदस्यों ने बड़े ही उमंग और उत्साह के साथ में भक्ति भाव से पूजा अर्चना की और विधान संपन्न किया मंडल पर सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य राकेशजी- सुमन जी अभय कुमार जी बडजात्या परिवार प्रथम शांतिधारा जितेंद्र- अल्पना जैन परिवार एवं महा आरती का सौभाग्य विजय -संगीता सोगानी परिवार को मिला नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन राजीव जी पाटनी एवं एवं सचिव रविंद्र जी बिलाला मौजूद रहे।

अहंकार का विसर्जन और सहस्रार चक्र से मोक्ष का मार्ग: साध्वी हर्षश्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जब सहस्रार चक्र जागृत होता है, तब भीतर का अहंकार पिघलकर शांति और आनंद में विलीन हो जाता है, और आत्मा मोक्षमार्ग की ओर उड़ान भरती है। मंगलवार को उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा महाराज सुशिष्यासाध्वी हर्षश्री ने शांति भवन में आयोजित चातुर्मास की धर्मसभा श्रध्दालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा जैसे सूरज की किरणें अंधकार को मिटा देती हैं, वैसे ही सहस्रार चक्र की जागृति साधक के भीतर अहंकार को मिटाकर उसे दिव्य चेतना से भर देती है। उस क्षण साधक का जीवन साधारण नहीं, बल्कि अध्यात्म की ऊँचाइयों पर आरोहण कर जाता है। साध्वी जयश्री ने कहा मोक्ष की मंज़िल तक वही पहुँचता है, जो संकल्पों में अडिग और आत्मबल से परिपूर्ण होता है। दृढ़ता आत्मा का वास्तविक आभूषण है। जब यह आभूषण सजता है, तब आत्मा स्वयं परमात्मा से मिलन की यात्रा तय करने लगती है। उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने सभा को संबोधित

जैन पैदल यात्रा संघ द्वारा 12 घंटे का अखंड नवकार महामंत्र जाप संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन पैदल यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में शांति, अहिंसा एवं सद्भाव के संगम के रूप में दिनांक 17 अगस्त 2025, रविवार को प्रातः 7:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक 12 घंटे का अखंड नवकार महामंत्र का जाप तथा महा आरती का आयोजन किया गया। इस अखंड नवकार महामंत्र के जाप में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 51 परिवारों ने जाप मे सम्मिलित हो कर धर्म लाभ अर्जित किया। श्री जैन पैदल यात्रा संघ के सौजन्य मे सम्पन्न हुए इस जाप में लगभग 150 से अधिक श्रावकों ने अपने-अपने घरों में विश्व शांति के लिए आत्म शुद्धि के सबसे बड़े पर्व पर्युषण महापर्व एवं दसलक्षण महापर्व से पूर्व अखंड नवकार महामंत्र के जाप तथा शाम को 7:00 बजे सामूहिक महा आरती का आयोजन करके एक अनूठी मिसाल कायम की। पूर्व में भी जैन पैदल यात्रा संघ इस प्रकार के आयोजन करता रहा है और दिनांक 20 अगस्त 2025 से प्रारंभ हो रहे प्रयुषण महापर्व में भी नवकार महामंत्र के जापों की श्रृंखला का एक बार पुनः आयोजन किया जा रहा है। पिछले वर्ष साढे पाचं लाख से ज्यादा नवकार महामंत्र के जाप संघ द्वारा पर्युषण महापर्व और दसलक्षण महापर्व के दौरान किये गये थे जो अपने आप मे एक रिकार्ड था।

करते हुए कहा कि पर्युषण महापर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मसंयम की साधना है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अष्ट दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण में तप, त्याग, ज्ञान, दर्शन और चारित्र की आराधना में अधिक से अधिक सहभागी बनें। संघ मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया शांतिभवन में पर्युषण महापर्व 20 अगस्त से 27 अगस्त तक उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा जी आदि ठाणा के सान्निध्य में शांतिभवन में मनायें जाने वाले कार्यक्रम की रूप रेखा बताते हुए बताया। कि प्रतिदिन 24 घंटे अखंड नवकार महामंत्र जाप चलेगा। सूर्योदय से पूर्व प्रतिक्रमण और प्रातःकालीन प्रार्थना होगी। सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक अंतगड़दशांग सूत्र का वाचन और 9:30 से 10:30 बजे तक प्रवचन। दोपहर 2:00 से 3:00 बजे तक कल्पसूत्रवाचन तथा 3:00 से 4:00 बजे तक तत्वचर्चा और धार्मिक प्रतियोगिताएं होंगी। शाम को श्रावक-श्राविकाओं के लिए प्रतिक्रमण का आयोजन रहेगा। ओर उन्होंने बताया संवत्सरी महापर्व 27 अगस्त, बुधवार को मनाया जाएगा तथा सामूहिक क्षमायाचना 28 अगस्त, गुरुवार को प्रातः 10 बजे शांति भवन में आयोजित होगी। -**प्रवक्ता निलिष्का जैन**

भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्शसागर जी के साथ शिष्यों ने भी किया केशलौंच

''दीक्षा के बाद प्रथम बार हुआ गुरुवर के साथ आर्यका विमर्शिता श्री माताजी का केशलौंच, केशलौंच दृश्य देखकर छलछला उठी दर्शकों की आँखें!''

सहारनपुर. शाबाश इंडिया

मंगलवार की प्रातः बेला में भावलिंगी संत दिगम्बराचार्य श्री ५०४ विमर्शसागर जी महामुनिराज ने दिगम्बर मुनिराज की कठोर चर्या में शामिल, केशलौच सम्पन किया अर्थात दो माह के पश्चात एवं चार माह से पहले अनिवार्य करने योग्य अपने सिर एवं दाढ़ी-मूंछ के केशों का अपने ही हाथों से लुंचन किया। आचार्य प्रवर श्री विमर्शसागर जी मुनिराज के साथ उनकी ही शिष्या आर्यिका श्री 105 विमर्शिता श्री माताजी सहित द्वय माताजी ने भी अपने सिर के बालों को अपने हायों से उखाड़ फेंका। राजधानी दिल्ली में 15 नवम्बर 2024 को हुयीं 13 भगवती जिन दीक्षाओं के बाद प्रथम सुयोग संयोग बना कि अपने दीक्षा-शिक्षा गुरुदेव के साथ ही शिष्याओं को केशलौच करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कैशलौंच होने के उपरांत आर्यिका श्री ने कहा कि आज केशलौंच करते समय तो ऐसी अनुभूति हो रही थी मानो साक्षात तीर्थकर भगवान के साथ ही हम अपने कैशलौंच कर रहे हों। श्री वीरोदय तीर्थमण्डपम् में प्रातः 06:30 से 08:15 के मध्य आचार्य गुरुवर सहित तीन शिष्यों के केशलौंच सम्पन्न हुये। पुनः 4.30 बजे से भक्त समुदाय ने मिलकर आचार्य भगवन् के पाद-प्रक्षालन एवं पूजन सम्पन्न की। आचार्य श्री ने उपस्थित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा - दिगम्बर जैन मुनिराज की न्यर्या में कोई कठिनतम् चर्चा है तो वह है कैशलौंच करना। जैन मुनि की यह केशलौंच चर्या मुनिराज की अयाचक वृत्ति को दर्शाती है। दिगम्बर मुनिराज अपरिग्रह महाव्रत के धारक होते हैं वे अपने पास धन-दौलत तथा गृहस्थोचित कोई भी सामग्री नहीं रखते, स्वावलम्बी जीवन जीते हुये वे अपने केश बढ़ जाने पर 2 से 4 माह के मध्य अपने केशों को अपने हाथों से उखाड़कर अलग कर देते हैं। कैशलौंच करना अनिवार्य इसीलिए भी है क्योंकि बालों के अधिक बढ़ जाने से उनमें सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति हो सकती है जिससे उन जीवों की विराधना संभव है। चूंकि दिगम्बर जैन मुनि अहिंसा महाव्रत के धारी होते हैं वे कृत-कारित तथा अनुमोदना किसी भी प्रकार से जीवों की हिंसा में कारण नहीं बनते। स्व-शरीर के प्रति भी अत्यंत निस्पृह वृति धारण करने वाले दिगम्बर जैन मुनिराज अनासक्त वृत्ति का परिचय देते हुये कभी भी वस्त्र आभूषणों से अपने शरीर का संस्कार नहीं करते अपितु अंतरंग राग-द्वेष आदि विकारों को जीतते हुये वैराग्य आदि गुणों से ही अपनी आत्मा का श्रृंगार करते हुए अपने आत्मा को एक दिन पूर्ण वीतरागमय बना लेते हैं। **-सोनल जैन की रिपोर्ट**

दान देने से फैलती है यश कीर्ति: मुनि आदित्य सागर

10 दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर में पूरे देश से शामिल होंगे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

दान देने से यश कीर्ति फैलती है। दान देने के बाद अभिमान नहीं करना चाहिए। दान का जहां उपयोग हो वही देना चाहिए। आपके पैसों का दुरुपयोग जहां हो रहा हो वहां दान नहीं देना चाहिए। जहां ट्रस्टियों का पेट भर रहा हो, ऐसी जगह दान मत देना । जहां पारदर्शिता पूर्वक मंदिर या धर्म के स्थलों का विकास हो रहा हो, वहां दान देना चाहिए । ऐसे स्थान पर दान देने से यश कीर्ति चारों और फैलती है। ये उदगार पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज ने कीर्ति नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार, 19 अगस्त को आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। दान देने के बाद मन में प्रसन्नता होनी चाहिए। क्लेश भाव नहीं आने चाहिए। दिखावे के लिए कभी दान मत देना। धन हमेशा अपनी हैसियत के अनुसार देना चाहिए। दान देने

में कोई इंस्टॉलमेंट नहीं होनी चाहिए। यह गलत परंपरा दान देने में लाई जा रही है। मुनि श्री ने कहा कि व्यक्ति हमेशा उन्नति चाहता है। इच्छाएं बड़ी-बड़ी करता है लेकिन उसके अनुकूल पुरुषार्थ नहीं करता जिस कारण वह असफल हो जाता है। हमें हमेशा विश्वास बनाकर रखना चाहिए कभी असत्य का सहारा नहीं लेना चाहिए। अगर एक बार हमारे ऊपर से लोगों का विश्वास उठ गया तो हमेशा के लिए हम खत्म हो जाएंगे। मुनि श्री ने कहा कि प्रिय भाषण से मैत्री बढती है, बिगड़े हुए काम बन जाते हैं। मंदिर समिति अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि इससे पूर्व दीप प्रज्जवलन, मंगलाचरण के आयोजन किये गये। इस मौके पर समाज श्रेष्ठी विनोद जैन कोटखावदा,राजीव जैन गाजियाबाद, पदम बिलाला, सुरेन्द्र मोदी, मनोज झांझरी, दीक्षान्त हाडा,सुरेन्द्र जैन,राज कुमार छाबड़ा, आशीष बैद आदि ने आशीर्वाद प्राप्त किया। सायंकाल मुनि आदित्य सागर महाराज के सानिध्य में श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम हुआ। अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि बुधवार, 20 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री के सानिध्य में होगें कई विशेष धार्मिक आयोजनः अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन के मुताबिक शनिवार, 23 अगस्त को जैनत्व दम्पति संस्कार - 2025 का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दम्पतियों को संस्कार दिये जाएंगे। रविवार, 24 अगस्त को जैनत्व उपनयन संस्कार शिविर -2025 का आयोजन किया जाएगा जिसमें बच्चों को संस्कार दिये जाएंगे। श्री जैन के मुताबिक दशलक्षण महापर्व के दौरान 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर - 2025 का सन्नी पैराडाईज के पीछे, मुंशी महल गार्डन, टौक रोड़ पर विशाल आयोजन होगा जिसमें पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। **-विनोद जैन कोटखावदा**

EnactraX
MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya
SPECTA
QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
PRESENTS
&
POWERED BY
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
Co-Powered By
JEPEE
ROTARY CLUB
JAIPUR CITIZEN
Co-Powered By
MARUTI CASTINGS
30 HOURS NON-STOP SPEECH
THE BIGGEST OPPORTUNITY OF YOUR LIFE
9H
LISTEN FOR 9 HOURS
MAKE WORLD RECORD
SAURABH JAIN
MOTIVATIONAL
SPEAKER
Sunday, 9th Nov. 2025
TIME: 8:00 AM (9th Nov)
2:00 PM (10th Nov)
VENUE: BIRLA AUDITORIUM
STATUE CIRCLE, JAIPUR.
: 9376-115577, 70731- 88666
Missed Call For Registration
+91 9588838868
: https://l1nq.com/saurabh
In Association With
ETHNIC COTLER
Readiprint
NAV
Vandanam Group
MS Jewellers
cityvibes
Vivek-Asha Kala
Jyoti Kumar-Indu Maheshvari
K M Trans Logistics Pvt Ltd
FLO
The Photo Gallery
Kogta
FOUNDATION
ANANTARA
JEEVAN REKHA
USHA TEXTILE
Supported By
For More Info.
Shree Jain Roadways
Thaper DENTAL CLINIC
ASHMITA JAINN
ocean home
GLORY
SAFARI GROUP
lawline

जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्थान का 300वां देहदान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्था द्वारा सेवा कार्यों की श्रृंखला में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है। संस्था द्वारा 300वाँ देहदान मंगलवार, 19 अगस्त 2025 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदा, जोरावर सिंह गेट पर कराया गया। संस्था द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेदा संस्थान को ये 36वां देहदान कराया गया। इस देहदान के माध्यम से परिसर में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों अध्ययन एवं शोध का लाभ मिलेगा। संस्था अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन और सचिव गुंजन छाजेड ने बताया की यह देहदान संस्था के पूर्व अध्यक्ष श्री दीपक जी सोनी की पूजनीय बहन श्रीमती अरुणा जी जैन धर्मपत्नी निर्मल पिपाड़ा का कराया गया। संस्थापक अध्यक्ष कमल संचेती ने बताया जैन सोशल ग्रुप सेन्ट्रल संस्थान विगत 32 वर्षों से लगातार समाज सेवा क्षेत्र में कार्यरत है ।अब तक संस्था द्वारा 300 देहदान, 3347 नेत्रदान एवं 48 त्वचादान कराए जा चुके हैं। इसके साथ ही संस्था द्वारा विगत तेरह वर्षों से लगातार एक विशाल रक्तदान शिविर मणिपाल यूनिवर्सिटी अजमेर रोड में कराया जाता है जिसमें लगभग तीन हजार यूनिट तक ब्लड एक दिन में एकत्र हो जाता है, इसके साथ साथ ही संस्था द्वारा जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 20 से अधिक वॉटर कूलर लगाये जा चुके हैं ,साथ ही साथ गौ सेवा एवं अन्य सामाजिक सेवाओं में भी संस्था सक्रिय योगदान दे रही है। यह अवसर संस्था की समाजसेवी परंपरा का गौरवपूर्ण क्षण है। इन सभी कार्यों में संस्था सभी सदस्यगण तन,मन ,धन से अपना सहयोग करते रहे हैं।

आर्यिका रत्न श्री 105 नंदीश्वर मती माता जी ससंघ का मंगल चातुर्मास चोमू बाग में

जयपुर. शाबाश इंडिया

चोमू बाग, सांगानेर में परम पूज्या बाल योगिनी सरल स्वभावी वात्सल्य चन्द्रिका श्रुत आराधिका आर्यिका रत्न श्री 105 नंदीश्वर मती माता जी ससंघ का मंगल चातुर्मास धूमधाम से चल रहा है आज की आहार चर्या मोहन लाल ,टीकम चंद ,निर्मल कुमार ,दिपशिखा ,शशि अजमेरा के यहाँ हुई।